संख्या-52/2026/328 के-2/22-3-2025-17(1163)/23

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश मिश्र,
संयुक्त सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 लखनऊ दिनांक 11 मार्च, 2026

विषय:- जिला कारागार, मुरादाबाद में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हाकिम अली उर्फ सेठ पुत्र श्री बुद्धा, निवासी जनपद-मुरादाबाद की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या-26788/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-08.08.2023) दिनांक-24.08.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, मुरादाबाद में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हाकिम अली उर्फ सेठ पुत्र श्री बुद्धा, जो गन्जो वाली मिलक, थाना-भगतपुर, जनपद- मुरादाबाद का निवासी है। दिल्ली से बरेली जा रही रोडवेज की बस को बन्दी द्वारा दिनांक 24.06.2002 को अपने 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर यात्रा करते समय बस को मुण्डापाण्डे नामक स्थान के पास उतरने के लिये रूकवा दिया तथा उतरते समय कन्डक्टर से पैसों का बैग छीनने लगे तथा चाकू से मारकर बस कन्डक्टर (सरकारी कर्मचारी) विक्रम अजेला की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-624/2003, में भा0द0वि0 की धारा- 302/34, 397, 412 व 4/25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-3 मुरादाबाद के आदेश दिनांक 31-07-2010 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी द्वारा दिनांक 21.**02**.202**3** तक **15** वर्ष, **05** माह, **23** दिन की अपरिहार सजा तथा **19** वर्ष, **07** माह, 18 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है एवं बन्दी की आयु 42 वर्ष है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बंदी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में बदले की भावना एवं पुन: अपराध कारित करने की संभावना से इंकार नहीं किये जाने, पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि प्रकरण में दिल्ली से बरेली जा रही रोडवेज की बस को बन्दी ने दिनांक 24.06.2002 को अपने 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर यात्रा करते समय बस को मुण्डापाण्डे नामक स्थान के पास उतरने के लिये रूकवा दिया तथा उतरते समय कन्डक्टर से पैसों का बैग छीनने लगे तथा चाकू से मारकर बस कन्डक्टर (सरकारी कर्मचारी) विक्रम अजेला की हत्या कर दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा स्थानीय स्तर पर वर्तमान परिस्थितियों का सम्यक परीक्षण कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बन्धित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नही है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी हाकिम अली उर्फ सेठ पुत्र श्री बुद्धा को फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गई है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, मुरादाबाद में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हाकिम अली उर्फ सेठ (बन्दी संख्या-1600/2010) पुत्र श्री बुद्धा, निवासी जनपद-मुरादाबाद को फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार बंदी के फार्म-ए/लाइसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
संयुक्त सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, जिला कारागार, मुरादाबाद।

3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में दिनांक 10.09.2024 को पारित आदेशों के सन्दर्भ में।

4- निजी सचिव, मा0 मंत्री/मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन।

5- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2, उ0प्र0 शासन।

6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

शासनादेश संख्या-52/2026/328 के-2/22-3-2025-17(1163)/23

दिनांक-11 मार्च, 2026 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

जिला कारागार, मुरादाबाद में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हाकिम अली उर्फ सेठ पुत्र श्री बुद्धा, जो गन्जो वाली मिलक, थाना-भगतपुर, जनपद- मुरादाबाद का निवासी है। दिल्ली से बरेली जा रही रोडवेज की बस को बन्दी द्वारा दिनांक 24.06.2002 को अपने 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर यात्रा करते समय बस को मुण्डापाण्डे नामक स्थान के पास उतरने के लिये रूकवा दिया तथा उतरते समय कन्डक्टर से पैसों का बैग छीनने लगे तथा चाकू से मारकर बस कन्डक्टर (सरकारी कर्मचारी) विक्रम अजेला की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-624/2003, में भा0द0वि0 की धारा-302/34, 397, 412 व 4/25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-3 मुरादाबाद के आदेश दिनांक 31-07-2010 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। जेल रिपोर्ट के अनुसार बन्दी द्वारा दिनांक 21.02.2023 तक 15 वर्ष, 05 माह, 23 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 07 माह, 18 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है एवं बन्दी की आयु 42 वर्ष है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बंदी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में बदले की भावना एवं पुनः अपराध कारित करने की संभावना से इंकार नहीं किये जाने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि प्रकरण में दिल्ली से बरेली जा रही रोडवेज की बस को बन्दी ने दिनांक 24.06.2002 को अपने 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर यात्रा करते समय बस को मुण्डापाण्डे नामक स्थान के पास उतरने के लिये रूकवा दिया तथा उतरते समय कन्डक्टर से पैसों का बैग छीनने लगे तथा चाकू से मारकर बस कन्डक्टर (सरकारी कर्मचारी) विक्रम अजेला की हत्या कर दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा स्थानीय स्तर पर वर्तमान परिस्थितियों का सम्यक परीक्षण कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बन्धित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नही है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी हाकिम अली उर्फ सेठ पुत्र श्री बुद्धा को फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गई है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश मिश्र
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।